

NCERT Solution

पाठ - 10

आत्मा का ताप

पाठ के साथ:

उत्तर1: रज़ा को बंबई शहर, यहाँ का वातावरण, गैलेरियाँ, यहाँ के लोग और मित्र बड़े पसंद आए और उन्होंने यहीं रहने का अपना मन बना लिया था इसलिए रज़ा ने अकोला में ड्राइंग अध्यापक की नौकरी की पेशकश नहीं स्वीकार की।

उत्तर2: रज़ा जब बंबई आए तो सबसे पहले उन्हें एक्सप्रेस ब्लाक स्टूडियो में डिजायनर की नौकरी तो मिल गई पर रहने का कोई उचित स्थान न मिला वे अपने किसी परिचित ड्राइवर के ठिकाने पर रात बिताते। उनकी दिनचर्या बड़ी कड़ी थी सुबह दस से शाम छह बजे तक नौकरी और उसके बाद मोहन आर्ट क्लब में जाकर पढ़ना। कुछ दिनों बाद उन्हें स्टूडियो के आर्ट डिपार्टमेंट का कमरा मिला परंतु सोना उन्हें तब भी फ़र्श पर ही होता था। वे रात ग्यारह-बारह बजे तक गलियों के चित्र या तरह-तरह के स्केच बनाते रहते थे। इस तरह बंबई में रहकर कला के अध्ययन के लिए रज़ा ने संघर्ष किए।

उत्तर3: रज़ा ने इन्हें कठिन बरस इसलिए कहा है क्योंकि इसी दौरान उनकी माँ की मृत्यु हुई थी। उनके पिताजी को मंडला लौट जाना पड़ा था और उसके अगले ही साल उनका भी देहांत हो गया। 1947 में भले हमें स्वतंत्रता मिल गई थी परंतु सभी को विभाजन की त्रासदी भी झेलनी पड़ी गाँधीजी की हत्या ने समूचे देश को ही हिला दिया था। रज़ा पर भी इन सभी बातों का गहरा असर पड़ा था। अतः इन्हीं सब घटनाओं के कारण रज़ा ने इन वर्षों को कठिन बरस कहा है।

उत्तर4: रज़ा के पसंदीदा फ्रेंच कलाकार सेजॉ, वॉन, गोगॉ, पिकासो, मातीस, शागील, ब्रॉक थे।

उत्तर5: (क) उपर्युक्त कथन फ्रेंच फोटोग्राफर हेनरी कार्टिए ब्रेसॉ ने लेखक के चित्रों के संदर्भ में अपनी टिप्पणी देते हुए कहे हैं।

(ख) फ्रेंच फोटोग्राफर हेनरी कार्टिए ब्रेसॉ की टिप्पणी का रज़ा पर बड़ा गहरा प्रभाव पड़ा। बंबई लौटते ही रज़ा ने फ्रेंच सीखने के लिए अलयांस फ़्रांस में दाखिला लिया और अपना ध्यान पेंटिंग की बारीकियों पर केंद्रित करने लगे।

पाठ के आस पास:

उत्तर1: रज़ा को जलील साहब जैसे लोगों का सहारा न मिला होता तब भी वे एक जाने-माने चित्रकार होते क्योंकि रज़ा में चित्रकार बनने की अदम्य आकांक्षा थी। हाँ यह बात और है कि जलील साहब के कारण रज़ा को आर्थिक कठिनाइयों से मुक्ति अवश्य मिली परंतु

NCERT Solution

संघर्ष, लगन और धुन तो रज़ा की ही थी जिसके कारण देर या सवेर उन्हें तो प्रसिद्ध होना ही था।

उत्तर2: यह बात शत-प्रतिशत सही है कि चित्रकला व्यवसाय नहीं, अंतरात्मा की पुकार है। जो इस कला को अपनाना चाहता है उसे कला के व्यावसायिकता से बचना होगा क्योंकि आज के परिवेश में चित्रकला विशुद्ध व्यावसायिक हो चली है। कलाकार भी इसी व्यावसायिकता का शिकार हो चले हैं। उनका लक्ष्य इस व्यवसाय से अधिक-अधिक लाभ कमाना रह गया है। इसलिए आज कला में वह बात नहीं रह गई है। आज भी कलाकार कालजयी बन सकता है यदि वो अपनी कला को अपनी अंतरात्मा से जोड़ दे।

उत्तर3: सामाजिक समस्या या बदलाव की जब कभी भी बातें होती हैं तो हमें लगता है कि हम पहाड़ हिला सकते हैं।

भाषा की बात:

उत्तर1: (क) मेरे प्लेटफॉर्म पहुँचने से पहले गाड़ी जा चुकी थी।

(ख) डॉक्टर के हवेली पहुँचने से पहले सेठ की मृत्यु हो चुकी थी।

(ग) रोहित के दरवाज़ा बंद करने से पहले उसके साथी होली का रंग लेकर अंदर आ चुके थे।

(घ) रुचि के कैनवास हटाने से पहले बारिश शुरू हो चुकी थी।

उत्तर2:

हाल - दशा वाक्य - आज आपका हाल कैसा?	हॉल - बड़ा कमरा वाक्य - विद्यालय के हॉल में चित्र प्रदर्शनी लगी है।
काफी - पर्याप्त वाक्य - घर में चावल सालभर के लिए काफी है।	कॉफी - एक पेय वाक्य - मेरी माँ बड़ी अच्छी कॉफी बनाती है।
बाल - केश वाक्य - तुम्हारे बाल कितने सुंदर और लंबे हैं।	बॉल - गेंद वाक्य - पिताजी मेरे लिए नई बॉल लाए हैं।